सत्यमेव जयते

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू (014)

भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू

(वैज्ञानिक तथा औधोगिक अनुसंधान परिषद्)

प्रथम अर्धवार्षिक बैठक – 16 जून, 2026

कार्यवृत्त

CSIR-IIIM

संख्या: नराकास/जम्मू (014)/बैठक/जून/2026 दिनांक : 24.06.2026

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), जम्मू (014) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक दिनांक 16 जून, 2026 (मंगलवार) को सायं 03:00 बजे अध्यक्षीय कार्यालय, सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के अध्यक्ष डॉ. ज़बीर अहमद जी ने की। इस अवसर पर सुश्री सुनीता रामा, (अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) ने ऑनलाइन माध्यम से बैठक में भाग लिया। बैठक में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित अन्य प्रमुख अधिकारियों में श्री पंकज राजपूत (सहायक नियंत्रक, रक्षा लेखा, जम्मू), श्री अंकुश कुमार [वरिष्ठ उप महालेखाकार (लेखापरीक्षा)], श्री इस्माइल खान (सहायक आयुक्त एवं राजभाषा अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू), श्री राजेश गुप्ता (प्रशासनिक अधिकारी, सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू) तथा श्री संजय शर्मा [सदस्य सचिव, नराकास, जम्मू (014)] शामिल थे। इनके अतिरिक्त विभिन्न केन्द्रीय कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्ष, नोडल अधिकारी, प्रशासनिक प्रमुख, राजभाषा अधिकारी, हिन्दी अधिकारी तथा हिन्दी अनुवादक आदि भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का संचालन श्रीमती रजनी कुमारी, अनुभाग अधिकारी, सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू ने किया। इस बैठक में कुल 57 सदस्य कार्यालयों के 93 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

सर्वप्रथम श्रीमती रजनी कुमारी ने नराकास, जम्मू के अध्यक्ष, डॉ. ज़बीर अहमद व मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। सम्मेलन कक्ष में राष्ट्रगान के पश्चात् मंचासीन सभी अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर बैठक का विधिवत शुभारंभ किया।

बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों के परिचय के उपरांत सदस्य सचिव ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यसूची को सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत कर बैठक की कार्यवाही को कार्यसूची के अनुसार आगे बढ़ाया।

क. <u>गत बैठक (28.11.2025) के कार्यवृत्त की पुष्टि तथा उस पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट:</u>

गत वर्ष दिनांक 28.11.2025 (शुक्रवार) को आयोजित बैठक के कार्यवृत्त के मुख्य बिंदुओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए सदस्य सचिव ने उपस्थित सदस्यों को निम्नलिखित तथ्यों से अवगत कराया:

1. <u>धारा 3(3) का पूर्ण अनुपालन करना:</u> सदस्य सचिव ने अवगत कराया कि अब तक प्राप्त तिमाही प्रगति प्रतिवेदनों के रुझान के अनुसार सभी सदस्य कार्यालय अपने स्तर पर धारा 3(3) का पूर्ण अनुपालन कर रहे हैं। इस अनुपालन को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है।
2. <u>सदस्य कार्यालयों द्वारा कार्यालय स्तर पर प्रत्येक तिमाही में पत्राचार लक्ष्य प्राप्ति, तिमाही बैठकें और हिन्दी कार्यशालाएँ आयोजित करना:</u> प्राप्त तिमाही प्रतिवेदनों के रुझान के अनुसार लगभग सभी सदस्य कार्यालय अपने-अपने स्तर पर इस दिशा में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं।

3. <u>गूगल फॉर्म के माध्यम से तिमाही प्रतिवेदन भरना:</u> सदस्य सचिव ने बताया कि इस दिशा में संतोषजनक सुधार हुआ है तथा इस बार गूगल फॉर्म के माध्यम से कुल 55 तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं।
4. <u>गृह मंत्रालय के नराकास सूचना प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर सदस्य कार्यालयों की जानकारी प्रेषित करना:</u> सदस्य सचिव ने बताया कि गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, के सूचना प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर अब तक 50 सदस्य कार्यालयों की सूचना प्रेषित की गई है। पिछली अर्धवार्षिक बैठक से अब तक गूगल फॉर्म के माध्यम से 24 अन्य प्रविष्टियाँ भी प्राप्त हुई है। शीघ्र ही इन्हें भी गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, के सूचना प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर प्रेषित कर दिया जाएगा।
5. <u>नराकास, जम्मू (014) के लिए एक "लोगो" (प्रतीक चिह्न) डिजाइन करना</u>: इस संबंध में गठित उप-समिति के अनुसार अब तक कुल 3 सदस्य कार्यालयों से "लोगो" (प्रतीक चिह्न) अनुमोदन हेतु प्राप्त हुए हैं तथा एक अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए कुछ और समय दिए जाने की आवश्यकता है। ।
6. <u>सभी सदस्य कार्यालयों की सुविधा हेतु एक ऑनलाइन पोर्टल तथा नराकास, जम्मू (014) की वेबसाइट को नए सिरे से तैयार करना</u>: सदस्य सचिव ने बताया कि आदरणीय अध्यक्ष महोदय के दिशा-निर्देश में सभी सदस्य कार्यलयों की सुविधा के लिए अध्यक्ष कार्यलाय के आईटी अनुभाग द्वारा एक अनलाइन पोर्टल तथा नई वेबसाइट को भी तैयार कर लिया गया है। आज की इस बैठक में 'आदरणीय अध्यक्ष महोदय द्वारा इन दोनों का अनावरण किया जाना प्रस्तावित है।

ख. <u>सदस्य कार्यालयों की अप्रैल, 2025 से मार्च, 2026 तक की सभी चार तिमाहियों दौरान किए गए राजभाषा कार्यों के विस्तृत समीक्षा:</u>

कार्यसूची में आगे बढ़ते हुए सदस्य सचिव ने नराकास, जम्मू (014) के सदस्य कार्यालयों को अवगत कराया कि पूर्व में केवल दो तिमाहियों की ही समीक्षा की जाती थी, परंतु इस अर्धवार्षिक बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की सभी चारों तिमाहियों की समीक्षा की जा रही है। आंकड़ों की संक्षिप्त प्रस्तुति (जैसे – कार्यालयों की संख्या तथा प्राप्त प्रतिवेदनों की संख्या) की समीक्षा की गई है तथा मूल्यांकन में प्रत्येक तिमाही के कार्यों के लिए कुल 5 अंक निर्धारित किए गए । अतः सभी चार तिमाहियों के लिए कुल 20 अंकों का आधार बनाया गया।

सदस्य सचिव ने बताया कि अब तक अध्यक्षीय कार्यालय को कुल 55 सदस्य कार्यालयों से ही तिमाही प्रगति प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं। समीक्षा के लिए गठित उपसमिति द्वारा प्राप्त सभी आंकड़ों की समीक्षा की गई है, जो इस प्रकार है :

1. इस बार अधिकांश कार्यालयों द्वारा ऑनलाइन माध्यम (गूगल फॉर्म) से तिमाही प्रतिवेदन भेजे गए हैं;
2. कुछ कार्यालयों द्वारा एक ही तिमाही के प्रतिवेदन एक से अधिक बार अपलोड कर दिए गए हैं;
3. कुछ कार्यालयों द्वारा तिमाही में कार्यशाला आयोजित नहीं की गई है;
4. कुछ कार्यालयों की तिमाही की प्रगति रिपोर्ट संलग्न नहीं है अथवा गलत दस्तावेज अपलोड किए गए हैं;
5. पत्राचार में वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं की गई है;
6. प्राप्त 55 प्रतिवेदनों में से केवल 24 कार्यालयों ने ही राजभाषा के सभी मानदंडों को पूरा किया तथा राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करते हुए कुल 20 अंक अर्जित किए हैं;
7. ऐसे सदस्य कार्यालय, जिन्होंने राजभाषा के सभी मानदंडों को पूरा किया तथा राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करते हुए कुल 20 अंक अर्जित किए, उन्हें नराकास, जम्मू (014) के अध्यक्ष महोदय द्वारा 'राजभाषा शील्ड' एवं 'राजभाषा प्रशस्ति पत्र' प्रदान कर सम्मानित करने के लिए भी नामित किया गया ;

इसके उपरांत, सदस्य सचिव ने नराकास, जम्मू (014) के वार्षिक अंशदान के व्यय का विवरण भी सदन के समक्ष प्रस्तुत किया।

नराकास, जम्मू (014) के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों की सूची

क्रमांक	कार्यालय का नाम
1.	23 विंग, वायु सेना द्वारा 56 सेना डाक घर, जम्मू
2.	कार्यालय छावनी परिषद, सतवारी, जम्मू छावनी
3.	कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केंद्र, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल, हीरानगर, कठुआ
4.	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) , जम्मू व कश्मीर
5.	कार्यालय महानिरीक्षक, जम्मू सेक्टर, केरिपुबल, बनतालाब, जम्मू
6.	कार्यालय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (आर्मी) नरवाल पाईं, सतवारी जम्मू
7.	कार्यालय विशेष महानिदेशक, अंचल मुख्यालय, के.रि.पु. बल, बनतालाब, जम्मू
8.	केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, गाँधी नगर, जम्मू
9.	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1, गाँधीनगर, जम्मू
10.	क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, गाँधीनगर, जम्मू
11.	क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, मीरांसाहिब, जम्मू
12.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बनतालाब, जम्मू
13.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, राया सुचैनी, सांबा (जम्मू)
14.	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2, अखनूर, जम्मू
15.	पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, ज्यौरिया
16.	फ़्रंटियर मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, पलोड़ा कैम्प, जम्मू
17.	भारतीय प्रबंधन संस्थान, जम्मू
18.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू
19.	भारतीय मानक ब्युरो, जम्मू
20.	रक्षा सम्पदा कार्यालय,जम्मू मण्डल,जम्मू छावनी
21.	राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू
22.	रेशम तकनीकी सेवा केंद्र , मीरां साहिब, जम्मू
23.	समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, गाँधीनगर, जम्मू
24.	सीएसआईआर- भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू

ग. <u>नराकास, जम्मू (014) के ऑनलाइन पोर्टल तथा नवनिर्मित वेबसाइट का विमोचन:</u>

नराकास, जम्मू (014) के अध्यक्ष महोदय द्वारा पिछली अर्धवार्षिक बैठक (नवंबर, 2025) में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित पत्राचार, तिमाही प्रतिवेदनों एवं अन्य गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक विशेष वेब पोर्टल तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के अनुपालन में, सदस्य सचिव द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सीएसआईआर-आईआईआईएम के तकनीकी प्रभाग के सहयोग से इस पोर्टल को सफलतापूर्वक विकसित कर लिया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष महोदय, सदस्य सचिव एवं मंच पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अधिकारियों द्वारा राजभाषा कार्यों को सुगम व डिजिटल बनाने हेतु इस नवनिर्मित पोर्टल तथा नराकास, जम्मू (014) की नवनिर्मित वेबसाइट का विधिवत विमोचन किया गया।

http://www.tolicjammu.org/

सदस्य-सचिव ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों के समक्ष ऑनलाइन पोर्टल का नमूना (डेमो) दिया तथा बताया कि शीघ्र ही इस पोर्टल पर सभी सदस्य कार्यालयों के विशिष्ट "लॉग इन आइडी - पासवर्ड" बना कर सभी के साथ साझा किए जाएंगे। सुविधा के लिए इस पोर्टल पर दो तरह की जानकारी अपलोड की जा सकेगी:

- सदस्य कार्यालय का गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, के सूचना प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर संबंधित जानकारी अपलोड करना। यह जानकारी शुरू में केवल एक बार ही अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसमें संशोधन की जरूरत होने पर संबंधित कार्यालय को अध्यक्षीय कार्यालय से संपर्क करके संशोधन किया जा सकता है;
- तिमाही प्रतिवेदन संबंधी जानकारी अपलोड करना:
  - i. एक बार इस पोर्टल के क्रियाशील होने के बाद तिमाही प्रतिवेदन केवल इसी माध्यम से स्वीकृत किए जाएंगे;
  - ii. सदस्य कार्यालय अपने स्तर पर, उनके द्वारा अपलोड की गई जानकारी भी देख सकेंगे;
  - iii. एक समय पर केवल एक ही तिमाही के प्रतिवेदन भरे (अपलोड) किए जा सकेंगे;

ऑनलाइन पोर्टल का लिंक नराकास, जम्मू (014) की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। नराकास, जम्मू (014) के नवनिर्मित पोर्टल एवं नई वेबसाइट के शुभारंभ पर सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा आदरणीय निदेशक महोदय के निर्णय की सराहना की गई, साथ ही सदस्य सचिव व तकनीकी प्रभाग का आभार व्यक्त किया गया।

अन्य आवश्यक जानकारी :

राजभाषा विभाग : www.rajbhasha.gov.in
नराकास (014), जम्मू
website: www.tolicjammu.org
सोशल मीडिया:
Facebook : www.facebook.com/narakasjammu/
X : @NarakasJammu WhatsApp : 9622025100 (Member-Secretary)

अध्यक्षीय कार्यालय का पता:
सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, केनाल रोड, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)
Website: www.iiim.res.in
अध्यक्ष : director.iiim@csir.res.in
सदस्य-सचिव : sanjaysharma.iiim@csir.res.in ; 9622025100

घ) नराकास, जम्मू (014) का 'लोगो' (प्रतीक चिह्न) डिजाइन करना: गत बैठक में नराकास, जम्मू (014) की पहचान को एक नया आयाम देने हेतु समिति के लिए एक 'लोगो' (प्रतीक चिह्न) डिजाइन करने का सुझाव रखा गया था। बैठक में इस कार्य हेतु सर्वसम्मति से एक विशेष पाँच सदस्यीय उप-समिति का गठन किया गया था एवं उन्हें 'लोगो' का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार करने का कार्यभार सौंपा गया था। इस विषय पर सदस्य सचिव ने अवगत कराया कि अब तक कुल 3 'लोगो' (प्रतीक चिह्न) के प्रस्ताव अनुमोदन हेतु प्राप्त हुए हैं, जो की अपर्याप्त है। सदस्य सचिव ने शेष सभी सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने प्रस्ताव जल्द से जल्द उप-समिति को भेजें।

पूर्व में गठित पाँच सदस्यीय उप-समिति में निम्नलिखित सदस्य/कार्यालय शामिल हैं:

1. श्री संजय कुमार झा, सहायक कमांडेन्ट , के.रि.पू.ब , बनतालाब, जम्मू (8899873689)
2. डॉ. निलेश कुमार, भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान, जम्मू (9451527031)
3. श्री रमन कुमार, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, जम्मू (9906445274)
4. श्री अंकित तिवारी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जम्मू (8840407388)
5. श्री कमल चंद शुक्ला, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक – 2, अखनूर (9810705660)

उप-समिति के निर्धारित कार्य निम्नलिखित हैं:

i. इस कार्य को एक प्रतियोगिता के रूप में प्रचारित करना: इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु उप-समिति अपने स्तर पर आवश्यक दिशा-निर्देश तय करेगी।
ii. उचित पुरस्कार का प्रावधान करना: उत्कृष्ट 'लोगो' (प्रतीक चिह्न) के विजेता के लिए एक उचित पुरस्कार का प्रावधान किया जाएगा।
iii. ऑनलाइन प्रविष्टियाँ आमंत्रित करना: समिति द्वारा सभी सदस्य कार्यालयों से ऑनलाइन माध्यम से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाएँगी।

अध्यक्ष महोदय ने 'लोगो' (प्रतीक चिह्न) डिजाइन की समय-सीमा को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके और नराकास, जम्मू (014) के लिए एक उत्कृष्ट 'लोगो' को आधिकारिक रूप से स्वीकृत किया जा सके।

नराकास की आगामी अर्धवार्षिक बैठक में, प्राप्त सभी "लोगो" में से नराकास, जम्मू (014) के लिए सबसे उत्कृष्ट "लोगो" को आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में चुना जाएगा तथा इसके निर्माता को पुरस्कृत किया जाएगा।

ङ. <u>सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा मुक्त चर्चा एवं विचार-विमर्श:</u>

कार्यसूची के अगले मद की ओर बढ़ते हुए सदस्य सचिव ने उपस्थित सभी अधिकारियों को मुक्त चर्चा के लिए आमंत्रित किया ताकि वे चर्चा के दौरान अपने-अपने विचार रख सकें, अपने अनुभव साझा कर सकें तथा यदि उनके स्तर पर राजभाषा के कार्यान्वयन में कोई कठिनाई आ रही हो, तो उस पर सामूहिक चर्चा करके उचित समाधान तलाशा जा सके। इस मुक्त चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने नराकास, जम्मू (014) के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ावा देने के लिए सभी सदस्य कार्यालयों को प्रोत्साहित किया। चर्चा के दौरान लिए गए प्रमुख निर्णय इस प्रकार हैं:

i. चर्चा के दौरान सदस्य सचिव ने अवगत कराया कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के कार्यालय ज्ञापन (सं. 12024/03/2024-रा.भा. (का.-2) दिनांक 17.01.2025 एवं पत्र संख्या 19/14/2017-उ.क्षे.का.का.-1(दि.)/1076 दिनांक 12 नवंबर, 2025) के अनुसार, नराकासों में सदस्य कार्यालयों की संख्या पुनर्गठित व निर्धारित की जानी है। इस नई व्यवस्था के अंतर्गत नराकास, जम्मू (014) में अधिकतम 35 सदस्य कार्यालयों को ही शामिल किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में नराकास, जम्मू में 102 कार्यालय पंजीकृत हैं। अत्यधिक संख्या होने के कारण सभी कार्यालयों की समयबद्ध समीक्षा, अभिलेखों का संकलन तथा प्रगति का सटीक मूल्यांकन करना व्यावहारिक रूप से अत्यंत कठिन हो रहा है; अतः इसका विभाजन किया जाना अपेक्षित है। इस संबंध में वर्तमान समिति के अतिरिक्त एक नवीन नराकास का गठन किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में नराकास, जम्मू (014) के विभाजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस परिस्थिति पर विचार करते हुए सदन में यह सुझाव रखा गया कि जम्मू क्षेत्र की नराकास का उचित व तार्किक विभाजन किया जाए, जिससे राजभाषा की समीक्षा एवं कार्यान्वयन की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित हो सके। इस विभाजन के संदर्भ में सदस्य सचिव ने यह भी अनुरोध किया कि जो भी कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालय को 'नवीन अध्यक्षीय कार्यालय इकाई' के रूप में प्रस्तुत करने के इच्छुक या तैयार हों, वे इसकी लिखित सूचना समिति को शीघ्र उपलब्ध कराएँ।

ii. सदस्य सचिव ने सभी सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि संचार अंतराल को कम करने के लिए वे अपने-अपने कार्यालय की संपर्क संबंधी जानकारी (जैसे—आधिकारिक ईमेल, डाक का पता, फोन नंबर, राजभाषा अधिकारी का नाम व पदनाम आदि) अध्यक्षीय कार्यालय को अनिवार्य रूप से भेजना सुनिश्चित करें, ताकि बैठकों व नराकास के अन्य क्रियाकलापों से संबंधित आवश्यक सूचनाएँ समय रहते उन तक प्रेषित की जा सकें।

च. <u>नराकास, जम्मू की गृह पत्रिका 'ज्ञानवार्ता' (अंक-14) के प्रकाशन के संबंध में:</u>

बैठक की कार्यसूची में आगे बढ़ते हुए सदस्य सचिव ने बताया कि नराकास, जम्मू (014) की गृह पत्रिका 'ज्ञानवार्ता' के अंक-14 का प्रकाशन आगामी अर्धवार्षिक बैठक (नवंबर, 2026) के दौरान किया जाएगा। इस संस्करण के लिए सभी

सदस्य कार्यालयों से रचनाएँ (जैसे—लेख, कविताएँ, शोध-पत्र, निबंध, कहानियाँ आदि) ईमेल तथा डाक के माध्यम से नराकास सचिवालय को प्रेषित की जाएँ। इस मद पर चर्चा के दौरान यह बताया गया कि 'ज्ञानवार्ता' के अंक-13 के प्रकाशन का खर्च अध्यक्ष कार्यालय द्वारा वहन किया गया था तथा इसे नराकास की कुल जमा अंशदान राशि से नहीं लिया गया था। सदस्य-सचिव ने इस बात पर भी बल दिया कि पत्रिका के आगामी अंक में विज्ञापन देने हेतु सदस्य कार्यालय आगे आए। तय विज्ञापन दरें इस प्रकार से हैं:

i. पूर्ण रंगीन पृष्ट : 20,000.00 रु मात्र
ii. आधा रंगीन पृष्ट : 10,000.00 रु मात्र
iii. एक चौथाई रंगीन पृष्ट : 5,000.00 रु मात्र

सदस्य-सचिव ने कहा कि जिन सदस्य कार्यालयों द्वारा 'ज्ञानवार्ता' के प्रकाशन हेतु अभी तक वार्षिक अंशदान नहीं दिया गया है, वे इसे जल्द से जल्द अवश्य भेजें, ताकि गृह पत्रिका को और अधिक सुसज्जित एवं आकर्षक ढंग से संपादित व प्रकाशित किया जा सके।

छ. <u>मंचासीन अतिथियों का संबोधन:</u>

बैठक की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए श्रीमती रजनी कुमारी ने मंचासीन अतिथियों को अपने-अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया। तत्पश्चात् श्री पंकज राजपूत (सहायक नियंत्रक, रक्षा लेखा, जम्मू), श्री अंकुश कुमार [वरिष्ठ उप महालेखाकार (लेखापरीक्षा), जम्मू] तथा श्री इस्माइल खान (सहायक आयुक्त एवं राजभाषा अधिकारी, केन्द्रीय विद्यालय क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू) ने बैठक को संबोधित किया और अपने विचार रखे। श्री इस्माइल खान ने अपने संबोधन में आग्रह

किया कि सभी कार्यालय हिन्दी से संबंधित कार्यशालाओं की जानकारी का एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान करें। उन्होंने सदस्य कार्यालयों को एक-दूसरे के संस्थानों में भी संयुक्त कार्यशालाएँ आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि कर्मचारियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो और ज्ञान का प्रभावी आदान-प्रदान हो सके। इससे कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति रुचि और प्रेरणा का भाव जागृत होगा तथा नराकास के उद्देश्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। इस्लाम खान जी ने यह भी सुझाव दिया कि यदि किसी कार्यालय में कार्मिकों की संख्या कम होने के कारण राजभाषा कार्यशाला अथवा बैठक के आयोजन में कठिनाई आती है, तो ऐसे कार्यक्रमों को निकटवर्ती केन्द्रीय विद्यालयों के सहयोग से भी आयोजित किया जा सकता है। इस संबंध में उन्होंने अपने स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की।

ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की अनुसंधान अधिकारी, श्रीमती सुनीता राम ने अपने विचार प्रस्तुत किए, सुनीता जी ने अध्यक्षीय कार्यालय द्वारा सदस्य कार्यालयों से संबंधित सूचनाओं एवं आँकड़ों के सुव्यवस्थित संकलन हेतु विकसित किए गए नए पोर्टल की सराहना की तथा इसके शुभारंभ हेतु अध्यक्षीय कार्यालय को बधाई दी। तदोपरांत, उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से राजभाषा संबंधी वार्षिक लक्ष्यों की अधिकतम प्राप्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया तथा कहा कि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक है। इसके उपरांत, उन्होंने नराकास, जम्मू (014) के प्रस्तावित विभाजन के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कुछ सदस्य कार्यालयों को

राजभाषा विभाग की ओर से पत्र प्रेषित किए गए हैं। जैसे ही किसी कार्यालय से सहमति प्राप्त होगी, विभाजन की आगामी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस क्रम में उन्होंने सदस्य कार्यालयों से यह भी अनुरोध किया कि यदि कोई कार्यालय नराकास के अध्यक्षीय कार्यालय का दायित्व ग्रहण करने के लिए तैयार हो, तो वह अपनी सहमति उपलब्ध करा सकता है, जिससे नराकास की गतिविधियों का और अधिक प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

ज. <u>अध्यक्षीय संबोधन</u>:

अध्यक्ष, नराकास, जम्मू (014), डॉ. ज़बीर अहमद ने सर्वप्रथम उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया कि वे अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर इस बैठक में भाग लेने के लिए आए। उन्होंने सदस्य कार्यालयों को भविष्य में भी नराकास, जम्मू की बैठकों में अनिवार्य रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। राजभाषा नीति के सशक्त कार्यान्वयन के लिए उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों की सामूहिक भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि नराकास, जम्मू (014) वर्तमान में पूरे भारत में सबसे अधिक सदस्य कार्यालयों वाली नराकसों में से एक है। अतः राजभाषा "हिन्दी" से संबंधित गतिविधियों का आयोजन व निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति इस समिति के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रगति समीक्षा रिपोर्ट पर सकारात्मक टिप्पणी देते हुए उन्होंने सभी कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों व गतिविधियों को पूरा करने का सजग प्रयास करें तथा इस दौरान सामने आने वाली किसी भी कठिनाई के निवारण के लिए अध्यक्षीय कार्यालय की सहायता लेने में संकोच न करें। अध्यक्ष महोदय ने सदस्य कार्यालयों के मध्य आपसी समन्वय एवं सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर राजभाषा हिन्दी से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम की धारा 3(3) तथा अन्य संबंधित विषयों पर आधारित प्रतियोगिताएँ, ऑनलाइन क्विज़ एवं रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित करने का सुझाव दिया; साथ ही राजभाषा हिन्दी से संबंधित सामग्री, उपलब्धियाँ एवं अन्य गतिविधियाँ सोशल मीडिया ग्रुप में भी साझा करने की बात कही, जिससे हिन्दी के प्रचार-प्रसार को और अधिक बढ़ावा मिल सके तथा राजभाषा गतिविधियों की व्यापक पहुँच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी सदस्य कार्यालय में कार्मिकों की संख्या कम है अथवा किसी कारणवश कार्यशालाओं, बैठकों या अन्य निर्धारित गतिविधियों के आयोजन में कठिनाई आती है, तो ऐसे कार्यालय अध्यक्षीय कार्यालय के सहयोग से संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करके अपने वार्षिक लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने समीक्षा के लिए प्राप्त तिमाही प्रतिवेदनों की संख्या में हुई बढ़ोतरी को एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा व सभी सदस्यों से पुनः अनुरोध किया कि वे अपने-अपने कार्यालय की रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में भरकर अध्यक्षीय कार्यालय को अवश्य भेजें। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि नराकास की गृह पत्रिका 'ज्ञानवार्ता' के आगामी अंक-14 के प्रकाशन हेतु सभी सदस्य कार्यालय अधिक से अधिक संख्या में उत्कृष्ट लेख, निबंध, कविताएँ, कहानियाँ व शोध-पत्र अध्यक्षीय कार्यालय को भेजें। उन्होंने नराकास, जम्मू (014) की गृह पत्रिका 'ज्ञानवार्ता' को भाषा, संस्कृति और साहित्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण बताया। नराकास, जम्मू (014) को एक वृहद परिवार की संज्ञा देते हुए अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्य कार्यालयों को इसका एक महत्वपूर्ण अंग माना और समिति द्वारा हिन्दी के सफल कार्यान्वयन के उद्देश्य को पूरा करने हेतु प्रत्येक कार्यालय के व्यक्तिगत प्रयासों को सराहनीय करार दिया। अध्यक्ष महोदय ने सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रदान किए जाने वाले वार्षिक अंशदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यद्यपि अधिकांश सदस्य कार्यालय नियमित रूप से अपना वार्षिक अंशदान जमा करते हैं, तथापि कुछ कार्यालयों का अंशदान अभी भी लंबित है। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से समय पर वार्षिक अंशदान जमा करने का निदेश दिया, जिससे नराकास, जम्मू (014) की गृह पत्रिका का प्रकाशन और संपादन उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जा सके। इसके पश्चात्, उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों का एक बार फिर से आभार व्यक्त करते हुए अपना अध्यक्षीय संबोधन समाप्त किया।

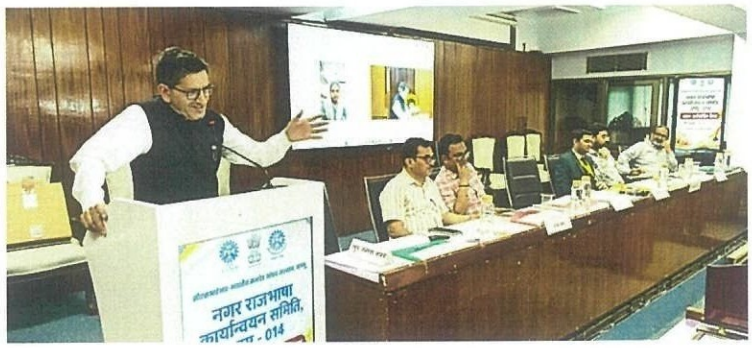

झ. <u>धन्यवाद प्रस्ताव:</u>

सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी, श्री राजेश गुप्ता ने बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों का अभिवादन किया। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से एक बार पुनः अनुरोध किया कि वे अपने-अपने कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट निर्धारित गूगल फॉर्म एवं नवनिर्मित वेब पोर्टल के माध्यम से ही जमा करें, जिससे सभी प्रतिवेदनों की समीक्षा समय पर सुचारू रूप से की जा सके। इसी के साथ उन्होंने नराकास, जम्मू (014) की अर्धवार्षिक बैठक में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने के लिए सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक के समापन की घोषणा की।

24/06/2026
(संजय शर्मा)
सदस्य-सचिव

ज़बीर अहमद
24/06/2026
(डॉ. ज़बीर अहमद)
अध्यक्ष – नराकास, जम्मू (014)